आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ.

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

बच्चों द्वारा स्वरचित कविताओं का संकलन

सृजन मुस्कान

काव्यांजलि

मिशन शिक्षण संवाद

संकलन-
सुमन मौर्या (स०अ०)
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
चहनियाँ, जनपद- चन्दौली

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

मार्गदर्शन-
राज कुमार शर्मा
मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 22.10.2020 | 802 | दिन- गुरुवार

•• सीख ••

कोयल

कोयल कुहूँ-कुहूँ करती हैं,
हम सब को शिक्षा देती है।
कोयल कहती मीठा बोलो,
किसी से तीखा ना बोलो।।

~ नदी ~

नदी में बहता झर-झर पानी,
नदी है कहती भर लो पानी।
पानी ही तो जीवन हैं,
पानी ही अमूल्य धन है।।

फूल

पीला, हरा और नीला फूल,
देखो कितने सुन्दर फूल।
फूल की खुश्बू जग महकाती,
बागों को सुन्दर है बनाती।।

पेड़

शुद्ध हवा पेड़ों से मिलती,
घनी छाँव भी इनसे मिलती।
मीठे- मीठे फल ये देते,
कभी नहीं ये पैसे लेते।।

रचना:
सौम्या कुमारी (छात्रा) कक्षा- 5
प्रा०वि० डेरवांखुर्द ,चहनियां
जनपद- चंदौली

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

814

दिनाँक- 24/10/2020 दिन- शनिवार

कोरोना वायरस

कोरोना वायरस आएगा,
सबको बीमार कर जाएगा।
कोरोना वायरस खतरनाक है,
ना कोई बच पाएगा।।

कोरोना के साथ युद्ध करो,
सब चिल्लाएँगे, डॉक्टर-डॉक्टर।
जो सबकी जान बचाएगा,
हैण्डवाश और सेनेटाइजर।।

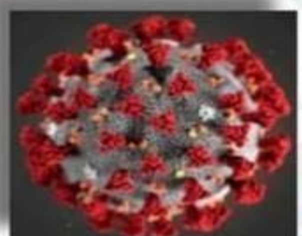

बाहर नहीं जो जाएगा,
बस वो ही बच जायेगा।
कोरोना वायरस से वही बचेगा,
जो सैनेटाइजर अपनाएगा।।

काम करो तब हाथ धुलो,
अपने घरों की सफाई करो।
घर का कूड़ा निकले जो,
कूडेदान में फेंका करो।।

रचना- अनुप्रिया कुमारी (छात्रा)
कक्षा-5, प्रा० वि० डेरवांखुर्द
चहनियां, चंदौली

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

871

दिनाँक- 2.11.2020 दिन- सोमवार

सत्य

सत्य के मार्ग पर चलो,
दुनिया में सबसे तेज चलो।
सत्य बोलने से मन साफ रहता है,
सत्य बोलो तो सब माफ होता है।।

झूठ है सबसे गंदा,
झूठ बोलना बुरा धंधा।
इससे रहना हमेशा दूर,
खुश रहोगे तुम भरपूर।।

सत्य के मार्ग पर चलो,
दुनिया में सबसे तेज चलो।
अगर करोगे सत्य का सम्मान,
करेंगे सब तुम्हारा सम्मान।।

सत्य के मार्ग पर चलो,
दुनिया में सबसे तेज चलो।
सत्य बोलने से यश मिलेगा,
सत्य रहेगा तो सम्मान बढ़ेगा।।

रचना- भानुप्रताप (छात्र)
कक्षा - 5
प्रा० वि० डेरवांखुर्द
चहनियां, चंदौली

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
काव्यांजलि-दैनिक सृजन
915
दिनाँक- 7/11/2020
दिन- शनिवार

तितली

तितली रानी, तितली रानी,
तितली होती, बहुत सुहानी।
तितली बैठती, है फूलों पर,
बच्चे देखते, खुश हो उन पर।।

तितली आतीं हैं जब तो,
बच्चे दौड़ते पकड़ने को।
फूलों में वह छिप जाती,
तरह-तरह से उन्हें छकाती।।

रंग-बिरंगी होती तितली,
सबके मन को हर लेती।
लाल, पीली, नीली, हरी,
तितली सबको खुशियाँ देती।।

लाल तितली है अतिसुन्दर,
पीली तितली भी सुन्दर।
हरी तितली भी है अतिसुन्दर,
और नीली तितली भी है सुन्दर।।

रचना
भानुप्रताप(छात्र)
कक्षा - 5
प्रा० वि० डेरवांखुर्द
चहनियां, चंदौली

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

920

दिनाँक- 9/11/2020 दिन- सोमवार

"अगर पंख हमारे होते"

अगर पंख हमारे होते,
चिड़िया जैसे हम उड़ जाते।
दूर कहीं हम उड़ जाते,
काली घटाओं से मिल आते।।

मन करता पहाड़ों पर चढ़ जाते,
मन करता नदियों से मिल आते।
मन करता पेड़ों पर चढ़ जाते,
मीठे ताजे फल हम खाते।

मन करता जंगल में जाते,
चिड़ियों के संग गाना गाते।
चिड़ियों के बच्चों के संग,
मिलकर हम खेलकर आते।।

फूलों के बागों में जाते,
भौरों के संग हम गुनगुनाते।
अगर पंख हमारे होते,
चिड़िया जैसे हम उड़ जाते।

रचना
सौम्या कुमारी(छात्रा)
कक्षा - 5
प्रा० वि० डेरवांखुर्द
चहनियां, चंदौली।

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

933

दिनाँक- 10/11/2020

दिन- मंगलवार

दीवाली आयी

दीवाली आयी, दीवाली आयी,
हमनें खुशियाँ बहुत मनायी।
दीवाली आयी, दीवाली आयी,
हमने खूब मिठाई खायी।।

हमने खूब पटाखें जलाए,
अपने घर भी खूब सजाए।
दीवाली आयी, दीवाली आयी,
हमने घर में रंगोली बनायी।।

दीवाली आयी, दीवाली आयी,
हमने नए कपड़ें पहने भाई।
हमनें घर में खूब सारी दीया जलाए,
हमने घर में मोमबत्ती भी जलाए।।

फूलों से घर सजाए,
माँ लक्ष्मी जी को फूल चढ़ाए।
दीवाली आयी, दीवाली आयी,
सबने घर में खूब सारी खुशियाँ मनायीं।।

रचना

अनुप्रिया कुमारी(छात्रा)
कक्षा - 5
प्रा० वि० डेरवांखुर्द
चहनियां, चंदौली।

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 11/11/2020 **936** दिन- बुधवार

पेड़ लगाओ

पेड़ लगाओ, पेड़ लगाओ,
हरा-भरा जीवन बनाओ।
छाया ये हमको देते हैं,
फल ये हमको देते हैं।।

बाढ़ से हमको बचाते हैं ,
प्रदूषण दूर भगाते हैं।
हम भी पेड़ लगाएँगे,
संसार को हरा-भरा बनाएँगे।।

पेड़ सबसे लगवाएँगे,
स्कूल को सुंदर बनाएँगे।
हम भी पेड़ लगाएँगे,
अपने विद्यालय को सजाएँगे।।

हम भी पेड़ लगाएँगे,
धरती माँ को सजाएँगे।
जब हम पेड़ लगाएँगे,
तब हम ठंडी हवा पाएँगे।।

रचना
अवंशिका सिंह(छात्रा)
कक्षा-5
प्रा० वि० डेरवांखुर्द
चहनियां, चंदौली

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

939

दिनाँक- 11/11/2020

दिन- बुधवार

चंदा मामा

चंदा मामा आओगे,
मुझसे मिलने आओगे।
लड्डू पेड़ा खाओगे,
साथ मुझे ले जाओगे।।

आसमान की सैर कराओगे,
बढ़िया पाठ पढ़ाओगे।
नयी कहानियाँ सुनाओगे,
चंदा मामा आओगे।।

धरती पर तुम आओगे,
चाँदनी को भी लाओगे।
उनको सैर कराओगे,
हमें घुमाने ले जाओगे।।

चंदा मामा रात में आते हैं,
हमें सुलाकर जाते हैं।
नयी कहानियाँ सुनाते हैं,
फिर वापस चले जाते हैं।।

रचना
सौम्या कुमारी(छात्रा)
कक्षा - 5
प्रा० वि० डेरवांखुर्द
चहनियां, चंदौली

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

980

दिनाँक- 13/11/2020

दिन- शुक्रवार

ईमानदार

ईमानदार लोग रहते खुश,
कभी न करते किसी को रुष्ट।
वो करते हैं सबको खुश,
इसीलिए वो रहते खुश।।

ईमानदार बनेंगे हम,
अच्छे कर्म करेंगे हम।
देश का मान बढ़ाएँगे हम,
सदा रहेंगे सच्चे हम।।

अगर हम ईमानदार बनेंगे,
सब हमारा सम्मान करेंगे।
सदा ईमानदारी हम दिखाएँगे,
लोगों को भी यही समझायेंगे।।

ईमानदारी के मार्ग पर चलेंगे हम,
दुनिया को भी चलाएँगे हम।
ईमानदार सबको बनाएँगे हम,
ईमानदार बनकर आगे बढ़ जाएँगे हम।।

रचना

भानु प्रताप(छात्र)
कक्षा- 5
प्रा०वि०-डेरवांखुर्द
चहनियां, चंदौली

शिक्षा का उत्थान

शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

शुभ दीपावली

03

मिशन शिक्षण संवाद की ओर से प्रकाश पर्व
दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ....

दीवाली आयी

दीवाली आयी, दीवाली आयी,
खुशियों की हरियाली छायी।
जीवन में उजियाली लायी,
रंग-बिरंगी रंगोली छायी।।

दीवाली आयी, दीवाली आयी,
सबके मन को खूब है भायी।
मम्मी-पापा, चाचा-चाची,
सबने मिलकर खुशियाँ मनायी।।

रंग-बिरंगे दीये जलाएँ,
चलो घर मे रंगोली बनाएँ।
रंग-बिरंगे रंगों से बनाएँ,
चलो हम घर के कोनों को भी सजाएँ।।

सब मिलजुलकर दीवाली मनाएँ,
दीवाली आयी, दीवाली आयी।
जीवन में उजियाली लायी,
स्वर्ग के जैसे घर को बनाएँ।।

रचना
सौम्या कुमारी (कक्षा- 5)
प्रा० वि० डेरवांखुर्द
चहनियां, चंदौली

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ..
बाल दिवस 2020
बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ..
मिशन शिक्षण संवाद
बाल दिवस विशेषांक
14 नवम्बर 2020
बाल दिवस
05
चाचा नेहरू बहुत है अच्छे,
काम करें वो सच्चे-सच्चे।
याद करें उन्हें सारे बच्चें,
रिश्ते हैं हमारे उनसे सच्चे-सच्चे।।
चाचा नेहरू बहुत हैं प्यारे,
वो हैं सारे दुनिया के तारे।
नेकी के काम किये बहुत सारे,
वो दुनिया के राजदुलारे।।
लगते है वो बहुत न्यारे,
उनके बच्चे हैं उनके आँख के तारे।
चाचा नेहरू बहुत हैं अच्छे,
याद करे उन्हें सारे बच्चे।।
रचना
भानुप्रताप (छात्र) कक्षा- 5
प्रा० वि० डेरवांखुर्द
चहनियां, चंदौली।
शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
शिकायत या सुझाव के लिए
9458278429 पर व्हाट्सएप करें..

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ..
बाल दिवस 2020
बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ..
मिशन शिक्षण संवाद
बाल दिवस विशेषांक
14 नवम्बर 2020
●··· चाचा नेहरू ···●
04
हमारे चाचा नेहरू बड़े महान,
देश का बढाया उन्होंने सम्मान।
इलाहाबाद में जीवन का आरम्भ हुआ,
14 नवम्बर,1889 को जन्म हुआ।।
14 नवम्बर को उनका
जन्म दिवस सब मनाते,
देश में बाल दिवस,
के रूप में मनाते।।
चौदह नवम्बर को इस बार है दीवाली,
दो-दो खुशियाँ हमने एक साथ पा ली।
कमला नेहरू पत्नी,
स्वरूपरानी उनकी माता।
पं. मोतीलाल नेहरु से,
उनका पिता का नाता।।
उन्होंने लिखी एक पुस्तक,
"डिस्कवरी ऑफ इंडिया"।
प्रिय दर्शनी इन्दिरा,
उनकी प्यारी बिटिया।।
रचना-
अनुप्रिया कुमारी (छात्रा) कक्षा - 5
प्रा० वि० डेरवांखुर्द
चहनियां, जनपद- चंदौली
शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान
शिकायत या सुझाव के लिए
9458278429 पर व्हाट्सएप करें..

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 23/11/2020 **1062** दिन- सोमवार

चिड़िया रानी

चिड़िया रानी, चिड़िया रानी,
रंग-बिरंगी चिड़िया रानी।
नीली, पीली, आसमानी,
ये होती हैं बड़ी सयानी।।

दाना चुँगती हैं,
पानी पीती हैं।
छोटे-छोटे पंख फैलाकर,
आसमान में उड़-उड़कर।।

दूर-दूर तक यह जाती,
और गाँव भी घूम आती।
तिनके दूर-दूर से लाती,
अपना घोंसला स्वयं बनाती।।

शाम होने पर आ जाती,
अँधेरे में बाहर नहीं जाती।
सच्ची-सच्ची, प्यारी-प्यारी,
चिड़िया रानी, चिड़िया रानी।।

रचना
दिव्या लक्ष्मी तिवारी
(पूर्व छात्रा)
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
चहनियाँ, चंदौली।

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

1087

दिनाँक- 27/11/2020 दिन- शुक्रवार

ईश्वर

ईश्वर हैं बहुत महान,
इनका हम करेंगे सम्मान।
तब बढ़ेगा हमारा मान,
यही तो है हमारे भगवान।।

ईश्वर अपने साथ हैं,
डरने की क्या बात है।
अगर डरेंगे ना कभी,
पसंद करेंगे हमें सभी।।

ईश्वर बड़े महान हैं,
देते हमको ज्ञान हैं।
ईश्वर हमें दो यह वरदान,
पढ़-लिखकर हम बनें महान।।

ईश्वर ने हम सबको बनाया,
तभी तो हमने इनका मान बढ़ाया।
डर का हम करेंगे सामना,
पूरा सदैव करेंगे सपना।।

रचना
भानु प्रताप (छात्र)
कक्षा- 5
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
चहनियाँ, चंदौली

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

1101

दिनाँक- 30/11/2020

दिन- सोमवार

मौसम

सर्दी आये बर्फ पड़े,
ओले गिरतें बड़े-बड़े।
तेज-तेज हवाएँ चले,
बर्फ पिघले और गले।।

गर्मी पड़े कड़ाके की,
नौबत आये पंखे की।
आँधी आए ताबड़-तोड़,
पेड़-पौधों को तोड़-मरोड़।।

पानी बरसे गरजे बादर,
तालाब बन जाये सागर।
आँगन बन जाये तालाब,
चलने लगे सड़क पर नाव।।

हम खेलेंगे-कूदेंगे,
मस्ती खूब करेंगे।
सर्दी, गर्मी या पानी पड़े,
हम किसी से नही डरेंगे।।

रचना

दिव्यालक्ष्मी तिवारी
(पूर्व छात्रा)
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
चहनियाँ, चंदौली

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
काव्यांजलि-दैनिक सृजन
दिनाँक- 3/12/2020
1123
दिन- गुरुवार
आम
पीले-पीले आम हैं,
हरे-हरे आम हैं।
मीठे-मीठे लगते हैं,
खट्टे-खट्टे लगते हैं।।
पक-पक जब वह जाते हैं,
पेड़ से तब वह गिर जाते हैं।
रस से भरे हुए आम,
जब हम खाते आम।।
मुँह में पानी आ जाता है,
सबके मन को भाता है।
सबके मन को ललचाता है,
हर कोई इसको खाता है।।
आम अच्छा लगता है,
प्यारा-न्यारा लगता है।
सभी फलों का राजा आम,
सबसे प्यारा लगता आम।।
रचना
मांसी पाण्डेय(छात्रा)
कक्षा - 4
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
चहनियाँ, चंदौली
आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 7/12/2020

1143

दिन- सोमवार

काले-काले होते जामुन,
खट्टे-मीठे होते जामुन।
सबके मन को भाता जामुन,
सबका जी ललचाता जामुन।।

प्यारे-प्यारे होते जामुन,
अच्छे-अच्छे होते जामुन,
बहुत सुनहले होते जामुन,
सबको पंसद आते जामुन।।

जामुन का पेड़ लगाएँगे हम,
तभी तो जामुन खाएँगे हम।
जामुन के पेड़ पर काले गुच्छे,
ये लगते हैं हमें सबसे अच्छे।।

बहुत सजीले होते जामुन,
खट्टे लगते कच्चे जामुन।
मीठे लगते पक्के जामुन,
काले-काले होते जामुन।।

रचना
भानु प्रताप (छात्र)
कक्षा- 5
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
चहनियाँ, चंदौली

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

1150

दिनाँक- 8/12/2020 दिन- मंगलवार

पालक

पालक खाओ-पालक खाओ,
पालक खाकर बीमारी से बच जाओ।
पालक हरी सब्जियों में आता,
पालक को हर कोई खाता।।

पालक का बनता है साग,
पालक की बनती है कचौड़ी।
पालक डालकर बनती है दाल,
पालक की बनती है पकौड़ी।।

पालक जब मेरे पेट में जाता,
इसे खाकर बहुत मजा आता।
पालक खाओ सबको बताओ,
पालक अपने खेत में लगाओ।।

पालक खाओ-पालक खाओ,
पालक से अपनी सेहत बनाओ।
पालक, बीमार व्यक्ति को खिलाओ,
पालक खाकर स्कूल जाओ ।।

रचना
नाम-अभय (छात्र)
कक्षा-5
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
चहनियाँ, चन्दौली

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 9/12/2020 1155 दिन- बुधवार

हमारा भोजन

सब्जी खाओ, स्वस्थ रहो,
आलू खाओ, मोटे हो जाओ।
पालक खाओ, सेहत बनाओ,
लौकी खाओ, विटामिन 'A' पाओ।।

बैंगन, मूली, पालक, खाओ,
आलू, मटर, टमाटर खाओ।
सेहत अपनी खूब बनाओ,
गाजर खाओ, विटामिन 'A' पाओ।।

दूध पिओ, खूब जिओ,
टमाटर खाओ, विटामिन 'C' पाओ।
शलजम खाओ, खून बढ़ाओ,
सेब, केला, आम खाओ।।

दाल खाओ, प्रोटीन पाओ।
शरीर में वृद्धि भी पाओ,
पानी पीओ, जीवन बचाओ,
खनिज-लवण, विटामिन से रोगों से रक्षा पाओ।।

रचना

अनुप्रिया कुमारी (छात्रा)
कक्षा- 5
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
चहनियाँ, चंदौली

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

1162

दिनाँक- 10/12/2020

दिन- गुरुवार

टमाटर

टमाटर खाओ, टमाटर खाओ,
गर्मी में भी खाओ।
जाड़ा में भी खाओ,
टमाटर हर मौसम में खाओ।।

टमाटर खाओ, टमाटर खाओ,
टमाटर हरा भी खाओ।
टमाटर लाल भी खाओ,
टमाटर सब्जी में भी खाओ।।

लाल टमाटर को सभी खाओ,
टमाटर से विटामिन 'C' पाओ।
टमाटर खाली पेट भी खाओ,
टमाटर खाओ, टमाटर खाओ।।

टमाटर में विटामिन, पोटैशियम,
टमाटर का सलाद भी खाओ।
टमाटर की चटनी भी खाओ,
टमाटर खाओ, टमाटर खाओ।।

रचना
कु० दिव्या (छात्रा)
कक्षा- 4
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
चहनियाँ, चन्दौली

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

1171

दिनाँक- 11/12/2020

दिन- शुक्रवार

नीम

ना मैं डॉक्टर, ना मैं ओझा,
ना मैं वैद्य, हकीम।
मैं तो केवल एक पेड़ हूँ,
नाम है मेरा "नीम"।।

मेरी सूखी पत्ती डालो,
ऊनी कपड़ें, अनाज बचालो।
सूखे पत्तों के धुएँ से,
मक्खी, मच्छर दूर भगालो।।

घनी पत्तियों के कारण,
शीतल है मेरी छाया।
गर्मी और थकान मिटे,
जो मेरे नीचे आया।।

सूरज, चाँद, सितारों की,
जब तक चले कहानी।
हमेशा सबको सुख देने की,
सदा हैं मैंने मन में ठानी।।

रचना
कु० रोली शर्मा (छात्रा)
कक्षा - 5
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
चहनियाँ, चंदौली

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
काव्यांजलि-दैनिक सृजन
दिनाँक- 19/12/2020
1214
दिन- शनिवार
पानी
प्यास लगे तो पिएँ पानी,
नहाने धोने में भी पानी।
पौधों में हम डालें पानी,
कुत्ता-बिल्ली माँगें पानी।।
बिन पानी हम जी न पाएँ,
क्यों पानी हम व्यर्थ बहाएँ।
नल में खुला न छोड़ें पानी,
टप-टप-टप-टप बहता पानी।।
बिना पानी जीवन सुना,
सूना सारा संसार है।
पानी बिना जीवन अधूरा,
इसको बचाना काम हमारा।।
पानी को तुम खूब बचाओ,
काम पड़े तब इसे बहाओ।
पानी तुम हमेशा साफ करो,
तब तुम अपना काम करो।।
रचना-भानु प्रताप (छात्र)
कक्षा - 5
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
चहनियाँ, चन्दौली
आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

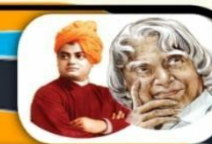

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 16/02/2021 -दिन- मंगलवार

1555

ईश्वर की कृपा

ईश्वर को हम भगवान है कहते,
उनको सब परमात्मा भी कहते।
ईश्वर की करते हम पूजा,
अधूरा काम भी हो जाता पूरा।।

पहले करो सब इनको प्रणाम,
तभी है करना कोई काम।
ईश्वर सबके मन में रहते,
ईश्वर हमारे साँसों में बसते ।।

ईश्वर सभी को है जनमाते,
अपनी करुणा सब पर बरसाते।
इनको करो सब दिल से प्रणाम,
अधूरा ना रहेगा कोई काम।।

जैसे हमारे माँ-बाप हैं होते,
वैसे ही भगवान भी होते।
हम उनके मंदिर में जाते,
उनके चरणों में शीश झुकाते।।

रचना
कु० रोली शर्मा (छात्रा)
कक्षा 5
प्रा०वि० डेरवाँखुर्द
चहनियाँ, चंदौली

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

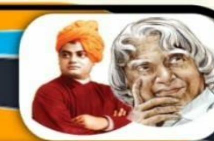

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 17/02/2021 -दिन- बुधवार

1564

हॉकी

आओ बच्चों हॉकी खेले,
सबको भी हम खेल-खेलाए।
हॉकी हमारा राष्ट्रीय खेल,
सबसे अच्छा प्यारा खेल।।

ध्यानचन्द जी इसके चैम्पियन,
हम भी बनेंगे हॉकी चैम्पियन।
आओ-आओ बच्चों आओ,
खेल-खेलकर समय बिताओ।।

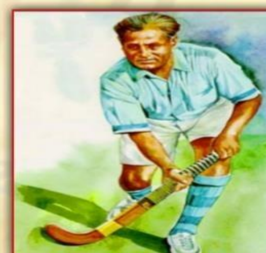

हम खेलेंगे-कूदेगे,
हम बड़े बन जाएंगे।
पढ़ेंगे-लिखेंगे सबसे,
समझदार बन जाएंगे।।

सबसे अच्छा हमारा खेल,
हॉकी सबसे प्यारा खेल।
हॉकी सबसे प्यारा खेल,
हम खेले सबसे प्यारा खेल।।

रचना
कु० अवंशिका सिंह (छात्रा)
कक्षा - 5
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
चहनियाँ, चंदौली

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

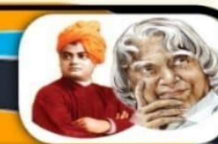

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 22/02/2021 -दिन- सोमवार

1590

वायु प्रदूषण

वायु प्रदूषण, वायु प्रदूषण,
दुनिया में है बहुत प्रदूषण।
शहरों में है वायु प्रदूषण,
गाँवों में नही वायु प्रदूषण।।

इसे रोकना हमारा काम,
बन्द करो सब ट्रैफिक जाम।
गाड़ी को जरा कम ही चलाओ,
प्रदूषण से दुनिया को बचाओ।।

प्रदूषण से होती है बीमारी
फिर भी दुनिया नहीं है मानी।
साईकिल से चलो सबको बतलाओ,
सुरक्षा का रास्ता अपनाओ।।

ट्रैफिक में तो मुँह ढक के जाओ,
सुरक्षा का ये रास्ता अपनाओ।
मिलकर चलो सब इसे हटाएँ,
बीमारियों से हम लड़के दिखाएँ।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचना
रोली शर्मा (छात्रा)
कक्षा - 5
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
चहनियाँ, चंदौली

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

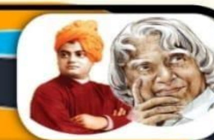

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 23/02/2021 -दिन- मंगलवार

1595

गन्ना

गन्ने को किसान उगाता,
उसके रस का गुड़ बनाता।
सबसे मीठा सबसे स्वादिष्ट,
इसका रस होता है भाई।।

गन्ना होता हरा भरा,
कितना सुन्दर कितना प्यारा।
गन्ना हमारा सबसे प्यारा,
देखने में भी है ये न्यारा।।

गन्ना का बीज हम लगाएँ,
खेतों से उखाड़ हम लाएँगे।
मजे से खूब हम खाएँगे,
गन्ना हम खाएँगे।।

गन्ने होते लम्बे-लम्बे,
सबसे लम्बे सबसे प्यारे।
गन्ना हम खाएँगे,
दाँत मजबूत बनाएँगे।।

रचना
अवंशिका सिंह (छात्रा)
कक्षा - 5
प्रा०वि०डेरवाँखुर्द
चहनियाँ, चंदौली

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

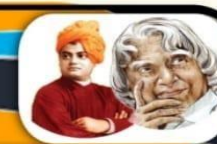

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 25/02/2021 -दिन- गुरुवार

1610

गाँव हमारा बहुत ही सुन्दर,
गाँव की लगती फसलें सुन्दर।
लगते हैं ये सबको सुन्दर,
गाँव में रहते बहुत से बन्दर।।

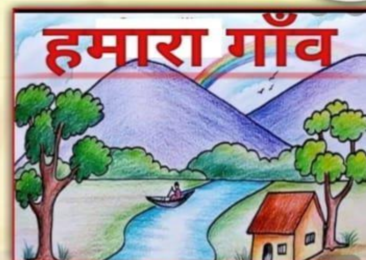

गाँव में होती बहुत प्रकृति,
गाँव में बीमारी भी कम होती।
गाँव में लोगों की जान है बसती,
इससे हमको सीख है मिलती।।

गाँव में बहुत खुशहाली होती,
गाँव में शुद्ध हवा भी चलती।
इसकी हवा सबको है मिलती,
इसीलिए बीमारी चली जाती।।

गाँव में होते बहुत किसान,
जो करते हैं अन्न का दान।
गाँव के होते किसान महान,
चलो करें हम इन्हें प्रणाम।।

रचना
भानु प्रताप (छात्र)
कक्षा - 5
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
चहनियाँ, चंदौली